

# जलवायु लक्ष्यों और जैववविधिता संरक्षण का संतुलन

### प्रलिमि्स के लिये:

जलवायु लक्ष्यों और जैव-विधिता संरक्षण को संतुलित करना, कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन (CDR) रणनीतियाँ, पेरिस समझौता, जलवायु परिवर्तन।

## मेन्स के लिये:

जलवायु लक्ष्यों और जैव-वविधिता संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण को संतुलति करना

<u> स्रोत: डाउन टू अर्थ</u>

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक अध्ययन प्रकाशित हुआ है जिसका शीर्षक है-जलवायु लक्ष्यों और जैव-विधिता संरक्षण को संतुलित करना: भूमि-आधारित कार्बन निष्कासन के लिये 30x30 लक्ष्य के कानूनी निहितार्थ (Balancing climate goals and biodiversity protection: legal implications of the 30x30 target for land-based carbon removal), यह शीर्षक भूमि-आधारित कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन हेतु (CDR) रणनीतियों और संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना के बीच संघर्ष को उजागर करता है।

## अध्ययन के मुख्य तथ्य क्या हैं?

- सीमति भूमि उपलब्धताः
  - े भूमि उपलब्धता की सीमाएँ **जैव-वविधिता लक्ष्य और भूमि-आधारित जलवायु शमन रणनीतियों दोनों को लागू करने में एक महत्**त्वपूर्ण चुनौती हैं।
  - CDR गतविधियों के लिय देशों द्वारा भूमि के महत्त्वपूर्ण हिस्से को गरिवी रखने से, सीमित भूमि उपलब्धता के कारण संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना के लिये एक चुनौती उत्पन्न हो गई है।
- वैश्विक लक्ष्य और वर्तमान स्थितिः
  - राष्ट्र वर्ष 2030 तक विश्व के 30% स्थलीय और समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा के लिये "30x30" जैव- विधिता लक्ष्य हेतु प्रतिबद्ध हुए हैं। हालाँकि वर्ष 2023 तक संरक्षित क्षेत्र केवल 16% स्थलीय क्षेत्रों और 8% समुद्री क्षेत्रों को कवर करते हैं, जो कि 30x30 के लक्ष्य से कम है।
    - 30×30 लक्ष्य एक <mark>वैश्विक ल</mark>क्ष्य है जिसका उद्देश्य प्रजातियों के तेज़ी से हो रहे नुकसान को रोकना और महत्त्वपूर्ण पारिस्थिति<mark>क तंत्र की</mark> रक्षा करना है जो हमारी आर्थिक सुरक्षा का स्रोत हैं।
- भूमि उपयोग और संघर्षः
  - कुछ भूम-आधारति शमन रणनीतियाँ भूमि उपयोग की बाधाओं के कारण अधिक संरक्षित क्षेत्रों को स्थापित करने की आवश्यकता के साथ संघर्ष करती हैं।
  - CDR की बड़े पैमाने पर तैनाती के परिणामस्वरूप जैववविधिता को हानि हो सकती है और खाद्य फसल उत्पादन में उपयोग की जाने वाली भूमि के लिये प्रतिस्पर्द्धा हो सकती है।
- लक्ष्य की अपऱ्यापतता:
  - 30x30 लक्ष्य की महत्त्वाकांक्षी प्रकृति के बावजूद, शोधकर्त्ताओं का अनुमान है कि जैववविधिता को प्रभावी ढंग से संरक्षित करने के लिये वैश्विक भूमिका कम से कम 44% संरक्षित क्षेत्रों के अंतर्गत होना चाहिये।
  - ॰ इसके अलावा, अकेले CDR गतविधियाँ ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 या 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लियेपेरिस समझौते में उल्लिखित लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकती हैं।
- कार्यान्वयन में चुनौतियाँ:
  - प्रश्न उठते हैं कि खाद्य उत्पादन का विस्तार और CDR रणनीतियों को लागू करते समय देश संरक्षित क्षेत्रों एवं बहाली के लिये अतिरिक्ति भूमि किसि प्रकार आवंटित करेंगे।
  - ॰ इन उद्देश्यों को संतुलति करना एक महत्त्वपूर्ण चुनौती है।

#### कानूनी परिप्रेक्ष्य:

॰ जबकि कुछ भूम-िआधारित CDR दृष्टिकोण जैववविधिता को लाभ पहुँचा सकते हैं, वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय **पर्यावरण कानून** समान अधिग्रहित भूमि पर संरक्षित क्षेत्रों के साथ **CDR तकनीकों के कार्यान्वयन को नहीं रोकता** है।

#### सिफारशिं:

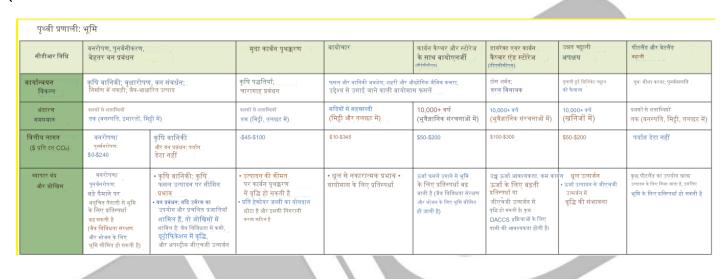
 CDR नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जो जैवविधिता की रक्षा करते हुए ग्रीनहाउस गैसों को प्रभावी ढंग से अवशोषित करती हैं। वे जलवायु परिवर्तन को कम करने की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर देते हैं, यह कहते हुए कि जैवविधिता के लिये इससे होने वाला खतरा अनय चिताओं से कहीं अधिक है।

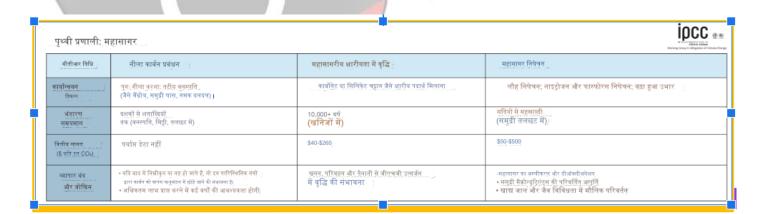
### कार्बन डाइऑक्साइड निष्कासन (CDR) क्या है?

#### परचिय:

 CDR उन प्रौद्योगिकियों, प्रथाओं और दृष्टिकोणों को संदर्भित करता है जो वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) को निष्कासित करते हैं तथा उसे स्थायी रूप से संग्रहीत करते हैं।

#### पद्धतः





## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. "मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" यह पहल कसिके द्वारा शुरू की गई थी? (2018)

(a) जलवायु परविर्तन पर अंतर सरकारी पैनल

- (b) UNEP सचवालय
- (c) UNFCCC सचवालय
- (d) वशि्व मौसम विज्ञान संगठन

#### उत्तर: (c)

#### व्याख्या:

- "मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ", UNFCCC सचिवालय द्वारा वर्ष 2015 में शुरू की गई एक पहल है।
- जलवायु तटस्थता के उद्देश्य के साथ यह पहल 'मोमेंटम फॉर चेंज' के तहत काफी महत्त्वपूरण है।
- जलवायु तटस्थता प्राप्त करने के लिये, लोगों, व्यवसायों एवं सरकारों को पहले अपने कार्बन फुटप्रिट का आकलन करने की आवश्यकता है और फिर संयुक्त राष्ट्र-प्रमाणित उत्सर्जन कटौती के माध्यम से क्षतिपूर्ति करते हुए जितना संभव हो, उतना उत्सर्जन में कटौती करनी चाहिये।

#### अतः वकिल्प (c) सही है।

प्रश्न. कार्बन डाइ-ऑक्साइड के मानवजनति उत्सर्जन के कारण होने वाले ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के संदर्भ में निम्नलिखिति में से कौन कार्बन पृथक्करण के लिये संभावित स्थल हो सकता है? (2017)

- 1. परत्यक्त और गैर-आर्थिक कोयले की तह
- 2. तेल और गैस भंडारण में कमी
- 3. भूमगित गहरी लवणीय संरचनाएँ

#### नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिय:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/balancing-climate-goals-and-biodiversity-protection